12 जनवरी, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में अतिथि देश चीन

इस वर्ष पुस्तक मेले में अतिथि देश का सम्मान चीन को दिया गया है जो अपने 80 से अधिक प्रकाशन गृहों तथा उनके समूह के साथ मेले में भाग ले रहा है। चीन मंडप में 5000 पुस्तकों की 10,000 से भी अधिक प्रतियाँ प्रदर्शित की गई हैं। चीन–भारत सांस्कृतिक संबंध फोटो प्रदर्शनी, प्राचीन चीन में प्रकाशन तथा मुद्रण पर आधारित प्रदर्शनी, चीनी चाय संस्कृति प्रदर्शनी तथा बच्चों हेतु मौलिक चित्रकारी जैसी प्रदर्शनियों के साथ ही, चीन मंडप पर भारत–चीन सांस्कृतिक आदान–प्रदान तथा चीन के प्रकाशन उद्योग तथा उनकी संस्कृति की झलक भी देखी जा सकती है। पुस्तक मेले में विशिष्ट अतिथि देश चीन द्वारा पुस्तक प्रेमियों, लेखकों तथा प्रकाशकों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें शामिल हैं– पुस्तक लोकार्पण, संगोष्ठियाँ, चर्चाएँ आदि।

आज चीन मंडप पर 'द मेन बैटलफील्ड ऑफ द ईस्ट' नामक पुस्तक के सात भाषाओं (चीनी, अँग्रेज़ी, रूसी, फ्रेंच, स्पेनिश, अरबी एवं जापानी) में उपलब्ध संस्करणों का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर चीन दूतावास के सांस्कृतिक सलाहकार, श्री जैंग जीहॉन्ग; चीन प्रकाशन समूह के उपाध्यक्ष, श्री ली यन; चाइना नेशनल पब्लिशिंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन की उप–महाप्रबंधक, सुश्री व्यू वी मुख्य वक्ताओं के रूप में उपस्थित थीं।

थीम मंडप पर 'भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त भारतीय परंपरा' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर प्रख्यात लेखक, डॉ. नरेंद्र कोहली तथा प्रसिद्ध लेखिका, डॉ. सुकृति पॉल कुमार वक्ताओं के रूप में उपस्थित थीं। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने संस्कृति के विकास में साहित्य व भाषा की भूमिका पर चर्चा की।

बाल मंडप पर पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें नीदरलैंड राज्य के राजदूत, महामहिम अल्फॉन्सस स्टोलिंगा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री स्टोलिंगा ने कहा कि पुस्तक के स्केच (रेखा–चित्र) बहुत ही सजीव हैं। इस मंडप पर नेशनल विक्टर पब्लिक

स्कूल के बच्चों द्वारा 'अंग दान' विषय पर एक प्रहसन भी प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात जयशंकर मेमोरियल सेंटर से आए बच्चों द्वारा कविता पाठ किया गया।

आज मेले में अनेक पुस्तकों का लोकार्पण हुआ जिनमें शामिल हैं– किरण वढेरा द्वारा लिखित *इन सर्च ऑफ वूमन एंड अदर शॉर्ट स्टोरीज़;* रवींद्र गरीमेला द्वारा लिखित *बाउंडलेस होरिज़न'स;* अभिजीत नासकर की *न्यूरो सूत्र : लव ऑफ साइंस एंड न्यूरो साइंस;* नरेंद्र जाधव द्वारा लिखित *विश्व मानव रवींद्र नाथ टैगोर* (प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन) *आदि।*